तापमान

अधिकतम 41.0 डिग्री

न्यूनतम 26.0 डिग्री

हरिभूमि

रत्न भूमि

रायपुर, शुक्रवार 24 अप्रैल 2026

11 दूल्हे के सिर का ताज मउर बनाने में व्यस्त कारीगर

12 सैटेलाइट और ड्रोन से खुली 1 लाख पेड़ कटाई की...

खबर संक्षेप

विधायक रोहित साहू का जनदर्शन आज

छुईहा-बेलर। राजिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोहित साहू आज अपने गृह निवास राजिम में जनदर्शन कार्यक्रम के तहत आम जनता से रूबरू होंगे। विधायक प्रतिनिधि विजय कंडरा सिर्रीखुर्द ने जानकारी देते हुए बताया कि असम एवं पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार में

व्यस्तता के चलते बीते कुछ समय से नियमित जनदर्शन कार्यक्रम स्थगित था। चुनाव प्रचार समाप्त होने के बाद विधायक रोहित साहू अपने निर्वाचन क्षेत्र राजिम निवास लौट आए हैं। अतएव शुक्रवार सोमवार को प्रातः 10 बजे से नियमित जनदर्शन कार्यक्रम पुनः प्रारंभ किया जा रहा है। इस दौरान विधायक साहू क्षेत्रवासियों से रूबरू सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनेंगे और यथासंभव त्वरित निराकरण का प्रयास करेंगे।

विशेष ग्रामसभा आज

रसेला। लोकतांत्रिक विकेन्द्रीयकरण को मजबूत करने के उद्देश्य से हर वर्ष 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाया जाता है। यह दिन भारत में स्थानीय स्वशासन की संवैधानिक शुरुआत का प्रतीक है,जब वर्ष 1993 में 73 वें संविधान संशोधन के माध्यम से पंचायती राज व्यवस्था को संवैधानिक दर्जा मिला। 24 अप्रैल यानी आज दिन शुक्रवार को सभी ग्राम पंचायतों में पंचायती राज दिवस के अवसर पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाना है। जिसमें ग्राम के समस्त निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाएगा, साथ ही ग्राम के वरिष्ठ एवं सम्मानित नागरिकों को भी आमंत्रित करना है। जिसमें ग्रामवासियों हेतु माननीय उप मुख्यमंत्री पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग का 20 मिनट का रिकॉर्ड आडियो के माध्यम से संदेश दिया जाएगा।

घर से बाइक चोरी, अज्ञात के खिलाफ जुर्म दर्ज

महासमुंद। बाइक चोरी के मामले में बसना थाने में अज्ञात आरोपी के विरूद्ध जुर्म दर्ज किया गया है। सिरको निवासी जन्मजय निषाद 19 अप्रैल को अपनी मोटर सायकल क्रमांक सीजी 06 जीबी 6098 को घर के बाहर बरामदा में खड़ी कर अपनी पत्नी को लेकर अवर लेडी अस्पताल बसना आया था। 20 अप्रैल को उसे पता चला कि घर में खड़ी हुई बाइक नहीं थी। मामले की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध धारा 303(2) बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज किया गया है।

शिवेश शुक्ला को हाईकोर्ट से अवमानना नोटिस

रसेला। शंकरलाल यदु वर्तमान में सहायक शिक्षक के पद पर शासकीय प्राथमिक शाला सिवनी में पदस्थ एवं कार्यरत हैं। शंकरलाल यदु को 23 जुलाई 2023 के जारी आदेश के तहत संकुल केन्द्र छुरा (अ)के संकुल समन्वयक के पद पर पदस्थ किया गया था। उक्त आदेश के अनुपालन में शंकरलाल यदु द्वारा अपने कार्यों का निर्वहन उच्च अधिकारियों के निर्देशानुसार बखूबी किया गया। किंतु शंकरलाल यदु को जिला मिशन समन्वयक, समग्र शिक्षा गरियाबंद के द्वारा 14 नवंबर 2025 को जारी आदेश के तहत संकुल समन्वयक के कार्य एवं दायित्व से पृथक कर आरोप लगाते हुए कहा गया कि सोशल मीडिया में विभाग एवं शासन के विरुद्ध आपत्तिजनक टिप्पणी किया गया है, जो शासकीय आचरण का उल्लंघन है। शंकरलाल यदु के द्वारा जिला मिशन शेष पेज 11 पर

स्टंटबाजों पर पुलिस का सख्त पहरा, पैरी घुमर डेम पर बढ़ी चौकसी

ऊंचाई से कूदने और गहरे पानी में न जाने की चेतावनी, लापरवाही पर कार्रवाई तय

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

खबर का असर

इस भीषण गर्मी में पैरी घुमर जलाशय सैलानियों से गुलजार हो गया है। जिले और पुरे प्रदेश के विभिन्न इलाकों से बड़ी संख्या में लोग यहां नहाने और गमएँ में ठंडा पानी का मजा लेने पहुंच रहे हैं। लेकिन भीड़ के साथ बढ़ते खतरे को देखते हुए पुलिस ने समय रहते मोर्चा संभाल लिया है। गरियाबंद एसपी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी ओम प्रकाश यादव ने पैरी घुमर डैम पर सुरक्षा को लेकर विशेष अभियान चलाया। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर ऊंचाई से डैम में कूदने और गहरे पानी में जाने के खतरों को लेकर चेतावनी पोस्टर लगवाए। साथ ही घूमने आए पर्यटकों को सीधे समझाइश दी गई कि लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है। थाना प्रभारी ने ग्रामीणों और आसपास के लोगों से भी अपील की कि वे युवाओं को स्टंटबाजी से रोकें। पुलिस ने साफ कर दिया है कि डैम क्षेत्र में उपद्रवी और जोखिम भरी हरकत करने वालों पर कड़ी नजर रखी जाएगी और जरूरत पड़ने पर कार्रवाई भी की जाएगी। दरअसल, हर साल गर्मी के मौसम में कुछ युवा रोमांच के नाम पर करीब 20 फीट ऊंचाई से गहरे पानी में छलांग लगाते हैं, जिससे हादसे का खतरा बना रहता है। ऐसे में पुलिस की यह पहल संभावित दुर्घटनाओं को रोकने की दिशा में अहम मानी जा रही है। फिलहाल, पुलिस की सतर्कता से पैरी घुमर शेष पेज 11 पर

बिना रोक-टोक खतरनाक स्थानों तक पहुंच रहे थे पर्यटक

लंबे समय से डैम क्षेत्र में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, चेतावनी बोर्ड और बैरिकेडिंग की व्यवस्था नहीं की गई थी, जिससे पर्यटक बिना किसी रोक-टोक के खतरनाक स्थानों तक पहुंच रहे थे। जिसका हरिभूमि ने प्रमुखता के साथ खबर प्रकाशित किया था। बताना लाजिमी होगा कि यदि समय रहते पुलिस पहल नहीं करती, तो किसी बड़ी दुर्घटना से इंकार नहीं किया जा सकता था। वहीं स्थानीय लोगों का भी कहना है कि पर्यटन स्थल के रूप में प्रसिद्ध इस डैम में हर साल बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था के अभाव में हमेशा जोखिम बना रहता है। ऐसे में संबंधित सिंचाई विभाग को भी अपनी जिम्मेदारी समझते हुए स्थायी सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।

अनदेखी : घने जंगल के भीतर सुरक्षा के नही कोई इंतजाम, 15-20 फीट ऊंचाई से छलांग लगा रहे युवा

पैरी घूमर जलप्रपात बना पर्यटकों का पसंदीदा डेस्टिनेशन

सिकासर जलाशय से पानी छूटने के बाद से बढ़ा आकर्षण

विडंबना : सैकड़ों आंगनबाड़ी केंद्रों में कहीं बिजली नहीं तो कहीं पंखे गायब, पसीने से तर बतर हो रहे बच्चे

41 डिग्री तपिश में उबल रहे मासूम, बिना पंखे-पानी और चप्पल के आंगनबाड़ी आने को मजबूर बच्चे

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

गरियाबंद जिले के आदिवासी विकासखंड मैनपुर में इन दिनों भीषण गर्मी का कहर बरप रहा है। तापमान 41 डिग्री के पार पहुँच चुका है, लेकिन इस चिलचिलाती धूप और उमस के बीच शासन-प्रशासन की लापरवाही का खामियाजा 3 से 6 वर्ष के छोटे-छोटे बच्चे भुगत रहे हैं। आंगनबाड़ी केंद्रों में बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव है, जिसके कारण बच्चे नारकीय स्थितियों में शिक्षा और पोषण लेने को मजबूर हैं। आंगनबाड़ी केंद्रों का संचालन सुबह 7:30 बजे से 11:00 बजे तक होता है। हालांकि सुबह मौसम में थोड़ी ठंडक रहती है, लेकिन छुट्टी के समय यानी 11 बजे तक पारा 41 डिग्री तक पहुँच जाता है। छोटे-छोटे मासूम बच्चे, जिनके पास पहनने को चप्पल-जूते तक नहीं हैं, उन्हें तवे की तरह तपती जमीन पर नंगे पैर घर लौटना पड़ता है। गर्मी और उमस से बच्चों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है, लेकिन यह दर्द न तो स्थानीय प्रशासन को दिखाई दे रहा है और न ही सामाजिक संगठनों को।

हुक की गलती और पंखे बने शो-पीस- आंगनबाड़ी केंद्रों की बदहाली का आलम यह है कि कई भवनों में पंखे तो पहुंच गए, लेकिन छत में उन्हें टांगने के लिए हुक ही नहीं लगाए गए। भवन निर्माण के दौरान ठेकेदारों की इस घोर लापरवाही का खामियाजा बच्चों को भुगतना पड़ रहा है। कई केंद्रों में बिजली की व्यवस्था नहीं है, तो जहां है, वहां पंखे केवल शो-पीस बनकर रह गए हैं। उमस भरी गर्मी में बच्चे केंद्रों के अंदर उबलने को मजबूर हैं।

323 आंगनबाड़ी केन्द्रों में मात्र 100 में ही पंखा की सुविधा- गरियाबंद जिले के आदिवासी विकासखंड मैनपुर ब्लॉक में कुल 323 आंगनबाड़ी केन्द्र है कई आंगनबाड़ी केन्द्रों का जायजा लेने पहुंचे तो पता चला कि सुबह 7.30 बजे से 11 बजे तक शासन के निर्देशानुसार आंगनबाड़ी का संचालन किया जा रहा है और कई आंगनबाड़ी केन्द्र में पंखा नही है और तो और दूरस्थ वनांचल क्षेत्र के आंगनबाड़ी केन्द्रो में भवन निर्माण के ठेकेदार ने ऐसा गलती किया जिसका खामियाजा आदिवासी बच्चो को भुगतना पड़ रहा है आंगनबाड़ी भवन में छत पर पंखा टांगने के लिये लोहे का हुक नही लगाया गया है कई आंगनबाड़ी केन्द्र में पंखा है लेकिन बगैर हुक के लगाये कैसे तो लगभग 150 से ज्यादा आंगनबाड़ी केन्द्रों शेष पेज 11 पर

आंगनबाड़ी केंद्रों में हैण्डपंप व पानी की सुविधा नहीं

शासन प्रशासन द्वारा सभी स्कूल आंगनबाड़ी केन्द्रों में पेयजल उपलब्ध कराने के आंकड़ा कागजों में प्रस्तुत किए जाते हैं लेकिन धरातल में सच्चाई कुछ और है कई आंगनबाड़ी केन्द्रों में हजारों रूपए खर्च कर रंनिग वाटर योजना के तहत टंकी लगाकर नल लगाया गया है लेकिन अभी तक कई आंगनबाड़ी केंद्र के नलों में पानी नहीं आया है और तो और ग्रामीण ईलाकों के आंगनबाड़ी केन्द्रों में हैण्डपंपों की सुविधा नहीं होने के कारण बच्चों को बोतल में पानी भरकर घर से लाना पड़ रहा है।

जानकारी उच्च अफसरों को भेजी है

महिला बाल विकास गरियाबंद जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक कुमार पांडेय ने चर्चा में बताया मैनपुर क्षेत्र के अधिकांश आंगनबाड़ी केन्द्रों में पंखा, बिजली की सुविधाएं नहीं है समस्याओं के समाधान के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। कई आंगनबाड़ी केंद्र भवन जो अधूरे हैं उसकी जानकारी उच्च अफसरों को भेजी जा चुकी है सभी आंगनबाड़ी केदो में सुविधा उपलब्ध कराने का लगातार प्रयास किया जा रहा है।

हजारों बच्चों के पास नहीं है जूता -चप्पल

आंगनबाड़ी केन्द्रों में 6 वर्ष तक के बच्चे पहुंचते है लेकिन अधिकांश बच्चो के पास आज भी चप्पल जुता नहीं है 41 डिग्री तापमान तवा जैसे गर्म जमीन पर नंगे पैर छोटे -छोटे मासूम बच्चे आंगनबाड़ी पहुंच रहे है और आंगनबाड़ी केन्द्रों में भी पंखा कूलर नहीं होने के कारण बच्चो को गर्मी में उबलना पड़ रहा है। इस संबंध में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओ से चर्चा करने पर बताया कि कई बार आंगनबाड़ी केन्द्रों में बिजली लगाने की मांग और पंखा की मांग कर थक चुके है एक तरफ शासन प्रशासन को बच्चों का दर्द दिखाई नहीं दे रहा है तो दूसरी ओर समाज सेवी संगठनों के लोगों को भी बच्चों का यह दर्द महसूस नहीं हो रहा है।

पारा 42 डिग्री के पार, भीषण गर्मी में सेहत का रखें ख्याल

फिंगेश्वर। नगर सहित अंचल मे इस बार चिलचिलाती धूप के चलते भीषण गर्मी का कहर बदस्तूर जारी है। स्कूलों मे छुट्टी होने से बच्चे जहां घरों मे है वहीं पर कामकाजी बंदे चेहरे से पसीने बहाने का राग अलाप रहे हैं।वही डाक्टरों ने कहा की खान पान में संयम बरते। अप्रैल माह से गर्मी का प्रकोप इस कदर बढ़ा है कि लोग धूप से बचने चेहरे पर नकाब लगाकर अपना काम काज निपटा रहे हैं। चिलचिलाती धूप के कारण लोग जमकर पानी पीने के साथ साथ कोल्ड पेय पदार्थो का सेवन कर अपनी प्यास बुझा रहे हैं। डाक्टरों का कहना है कि इस चिलचिलाती गर्मी मे दिन मे जरूरी काम हो तो ही बाहर निकले वरना घरों मे आराम करे।खासकर छोटे बच्चे एवं बुजुर्ग सावधानी बरते।भवन निर्माण से लेकर फील्ड मे काम करने वाले लोग अपना चेहरा पूरी तरह से ढककर निकले जिससे सूरज की चिलचिलाती धूपे से बचत हो।भोजन के अपेक्षा पानी अधिक पीये।संतुलित आहार लेवे एवं किसी प्रकार से होने वाली बीमारी से बचने अस्पताल पहुंचकर इलाज कराये।गर्मी के दिनो मे अक्सर देखा जाता है कि उल्टी दस्त की शिकायत आम बात हो जाती है इसलिए अपने शरीर मे पानी की कमी न होने शेष पेज 11 पर

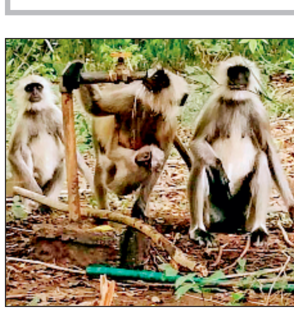

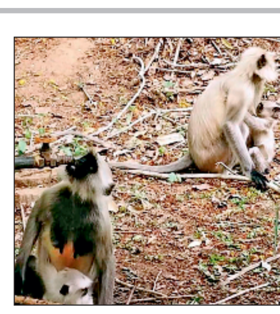

प्यास बुझाने के लिए नलों तक पहुंचे बंदर...

मैनपुर। इन दिनों भीषण गर्मी का कहर जारी है, जिसका सीधा असर अब वन्यजीवों पर भी दिखने लगा है। जंगलों में पानी के प्राकृतिक स्रोत सूखने लगे हैं, जिसके चलते वन्यप्राणी अपनी प्यास बुझाने के लिए रिहायशी इलाकों और गांवों के करीब मंडराते दिखाई दे रहे हैं। ऐसा ही एक नजारा मैनपुर क्षेत्र के ग्राम तौरेंगा स्थित वन विश्राम गृह (रेस्ट हाउस) में देखने को मिला। यहाँ भीषण गर्मी से बेहाल बंदरों का एक झुंड अपनी प्यास बुझाने के लिए विश्राम गृह परिसर में लगे नल तक पहुंच गया। बंदरों ने नल को ही अपना जरिया बनाया और बकायदा नल में मुंह लगाकर पानी पीते हुए दिखाई दिए।

तीन माह का राशन देने का आदेश दुकानों तक नहीं पहुंचा पूरा चावल

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुरा

शासन की ओर से विभिन्न समाचार पत्रों और सोशल मीडिया माध्यमों में आधिकारिक रूप से यह जानकारी प्रसारित की गई है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत पात्र राशन कार्डधारियों को अप्रैल, मई और जून तीन माह का राशन एक साथ उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि आम लोगों को राहत मिल सके और बार-बार राशन दुकान तक न आना

पड़े। लेकिन जब क्षेत्र की उचित मूल्य दुकानों की वास्तविक स्थिति जानने का प्रयास किया गया तो जमीनी हकीकत सरकारी दावों से अलग नजर आई। अधिकांश राशन दुकानों में अभी तक केवल अप्रैल माह का चावल ही वितरण किया गया है। कुछ दुकानों में अप्रैल और मई दो माह का राशन दिया गया है, जबकि बहुत कम दुकानों में ही तीन माह का राशन वितरण हो पाया है। क्षेत्र की कई दुकानों में चावल की पर्याप्त आपूर्ति नहीं होने के कारण उपभोक्ताओं को यह कहकर वापस भेजा जा रहा है कि अभी उपलब्ध राशन ले जाइए, शेष चावल आने पर अगले माह दिया जाएगा। ऐसे में हितग्राहियों के शेष पेज 11 पर

सूख रहे तालाबों में लौटी रौनक, जल संकट से मिली राहत

गर्मी में राहत, सिकासेर जलाशय से छोड़ा गया पानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजिम

समूचे राजिम क्षेत्र और पूरे गरियाबंद जिले में पड़ रही भीषण गर्मी ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित करके रखा है। तापमान में लगातार हो रही वृद्धि के चलते अधिकांश गांवों के तालाब और डबरियां पूरी तरह सूख चुके थे, वहीं नालों में भी कहीं-कहीं पानी का स्तर नगण्य रह गया था तो अधिकांश ऐसे भी सूखे नाले है जहां बूंद भर पानी नही है। इस जल संकट ने न केवल ग्रामीणों की निस्तारी व्यवस्था को प्रभावित किया, बल्कि पशु-पक्षियों के लिए भी जीवन संकट खड़ा कर दिया था। ऐसे विकट हालात में जल संसाधन संभाग गरियाबंद द्वारा उठाया गया कदम राहत की बड़ी उम्मीद बनकर सामने आया है। सिकासर जलाशय से नहरों के माध्यम से पानी छोड़ा गया, जिससे अब गांव-गांव के तालाबों को भरा जा रहा है। इस पहल से सूखे पड़े जलस्रोतों में फिर से पानी की आमद शुरू हो गई है और ग्रामीणों के चेहरे पर राहत साफ दिखाई दे रही है। तालाबों में भरते पानी से रौनक लौटी है वहीं पशु-पक्षियों को लगभग जीवनदान मिल गया है। नहरों से छोड़ा गया पानी जैसे-जैसे तालाबों तक पहुंच रहा है, वैसे-वैसे सूखी जमीन फिर से जलमग्न होती जा रही है। जिन तालाबों में दरारें पड़ गई थीं, वे अब पानी से भरने लगे हैं। इससे गांवों में पशुओं के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित हो रही है और पक्षियों को भी राहत मिल रही है। क्षेत्र के ग्राम जेंजरा,सुरसाबांधा,श्यामनगर आदि गांव के ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कुछ हफ्तों से पानी की भारी किल्लत थी। लेकिन अब तालाब भरने से उनकी समस्या काफी हद तक कम हो गई है। तालाब में पानी भरने से निस्तारी और दैनिक जरूरतों में सहूलियत हो रही है। तालाबों में पानी आने से लोगों को निस्तारी, नहाने और अन्य घरेलू कार्यों के लिए पर्याप्त पानी मिलने लगा है। खासकर ग्रामीण इलाकों में जहां पाइपलाइन व्यवस्था सीमित है, वहां शेष पेज 11 पर

छत्तीसगढ़ में कर्मचारी चयन मंडल के गठन को राज्यपाल की मंजूरी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

छत्तीसगढ़ में अब व्यावसायिक परीक्षा मंडल यानी व्यापमं की जगह छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल के माध्यम से तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मियों की नियुक्तियां होंगी। दरअसल राज्य सरकार ने इस संबंध में विधानसभा से विधेयक पारित कराया था, अब इसे राज्यपाल की मंजूरी मिल गई है। राज्य में सरकारी नियुक्तियों की प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

इस चयन मंडल के अस्तित्व में आने से राज्य के विभिन्न विभागों में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के पदों पर भर्ती प्रक्रियाओं में तेजी आने की उम्मीद है। मंडल एक स्वतंत्र निकाय के रूप में कार्य करेगा, जिससे परीक्षाओं के आयोजन और परिणाम घोषित करने की समय-सीमा में सुधार होगा। मंडल के अध्यक्ष और अन्य सदस्यों की नियुक्ति की प्रक्रिया भी जल्द ही शासन द्वारा शुरू की जा सकती है।

व्यापमं की जगह लेगा मंडल, तृतीय, चतुर्थ श्रेणी पदों की होगी भर्ती

अब परीक्षाएं किस प्रकार ली जाएंगी?

अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, भर्ती प्रक्रियाओं के संचालन के लिए ये व्यवस्थाएं की गई हैं। केंद्रीकृत भर्ती प्रणाली- यह मण्डल मुख्य रूप से राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के पदों पर सीधी भर्ती के लिए परीक्षाएं आयोजित करेगा। अधिनियम की धारा 13(1) स्पष्ट करती है कि भर्ती प्रक्रिया के संचालन के दौरान होने वाले व्यय की पूर्ति मण्डल निधि से की जाएगी। इसमें प्रश्नपत्र तैयार करने, परीक्षा केंद्रों के प्रबंधन और मूल्यांकन की प्रक्रिया शामिल है। परीक्षाओं का आयोजन राज्य सरकार द्वारा निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं के अनुसार होगा। मण्डल को यह अधिकार होगा कि वह परीक्षाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए केंद्रों का निर्धारण करे और अनुचित साधनों को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए।

मण्डल निधि' का होगा गठन

अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, मण्डल के सुचारू संचालन के लिए 'मण्डल निधि' नाम से एक समर्पित कोष बनाया जाएगा। मण्डल को प्राप्त होने वाली समस्त धनराशि इसी निधि में जमा की जाएगी। वित्तीय प्रबंधन- राज्य सरकार मण्डल को कार्यालय व्यय, अधिकारियों-कर्मचारियों के वेतन-भत्ते और भर्ती परीक्षाओं के सफल संचालन के लिए आवश्यक बजट उपलब्ध कराएगी। सचिव की भूमिका- मण्डल के सचिव को 'आहरण एवं संवितरण अधिकारी' की शक्तियां दी गई हैं, जिससे वित्तीय कार्यों में तेजी आएगी।

बजट और ऑडिट की व्यवस्था

पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए अधिनियम में सख्त वित्तीय नियमों को शामिल किया गया है, मण्डल प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए आगामी वर्ष की अनुमानित प्राप्तियों और व्यय का बजट तैयार करेगा। मण्डल के खातों का प्रतिवर्ष निर्धारित रीति से ऑडिट किया जाएगा, ताकि आर्थिक पारदर्शिता बनी रहे।भर्ती प्रक्रियाओं में आएगी तेजीइस चयन मण्डल के अस्तित्व में आने से राज्य के विभिन्न विभागों में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के पदों पर भर्ती प्रक्रियाओं में तेजी आने की उम्मीद है। मण्डल एक स्वतंत्र निकाय के रूप में कार्य करेगा, जिससे परीक्षाओं के आयोजन और परिणाम घोषित करने की समय-सीमा में सुधार होगा।

खबर संक्षेप

जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के पदाधिकारियों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

रायपुर। जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी ने साढ़े तीन करोड़ छत्तीसगढ़िया जनमानस की भावनाओं के अनुरूप भारत सरकार जनगणना विभाग द्वारा जारी स्व जनगणना पोर्टल में मातृभाषा के कालम में छत्तीसगढ़ी भाषा का विकल्प शामिल करने कलेक्टर को ज्ञापन दिया । ज्ञात हो कि 28 नवंबर 2007 को 'छत्तीसगढ़ी भाषा को छत्तीसगढ़ शासन राजभाषा आयोग द्वारा राजभाषा का दर्जा प्रदान किया गया है। इस मौके पर पार्टी के पदाधिकारियों ने बतया कि भारत सरकार द्वारा वर्ष 2020 में भाषाई सर्वेक्षण करवाया गया है उसके अनुसार छत्तीसगढ़ में छत्तीसगढ़ी भाषा 65% से अधिक जनसंख्या द्वारा उपयोग किया जाता है जबकि इसी सर्वेक्षण में छत्तीसगढ़ राज्य के अंदर हिंदी भाषा बोलने बालों का प्रतिशत मात्र 2% है फिर भी जनगणना कार्य में छत्तीसगढ़ कि अधिकारिक छत्तीसगढ़ी भाषा की उपेक्षा की जा रही है।

107 किशोरियों को लगाया एचपीवी का निशुल्क टीका

रायपुर। सर्वाइकल कैंसर से होने वाली मौत को रोकने के लिए एम्स, जिला एवं आंबेडकर अस्पताल सहित तमाम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में निशुल्क एचपीवी की वैक्सीन लगाई जा रही है। निराश करने वाली बात यह है कि गंभीर बीमारी से बचाने वाली इस निशुल्क टीका के प्रति झिझक कम नहीं हो रही है। रायपुर जिले में 36 दिन के अभियान में केवल 107 किशोरियों को यह टीका लगाया गया है। केंद्र सरकार द्वारा यह टीका निशुल्क उपलब्ध कराया गया है जबकि प्रायवेट सेक्टर में इसके लिए डेढ़ से दो हजार रुपए खर्च करना पड़ता है। यह टीका 14 से 15 साल के बीच की आयु वाली किशोरियों को लगाया जा रहा है। अन्य जिलों के साथ रायपुर में इसकी शुरुआत 17 मार्च से की गई है। जिला अस्पताल के बाद इसकी सुविधा आंबेडकर अस्पताल, एम्स के साथ तमाम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में नियमित ओपीडी के दौरान दी जा रही है। इस वैक्सीन के प्रति लोगों को जागरुक करने में पर्याप्त सफलता नहीं मिल पाई है। जिले में अब तक केवल 107 लोगों को यह टीका लगाया जा सका है।

महतारी वंदन योजना की हितग्राही बनी दुग्ध व्यवसायी

रायपुर। महतारी वंदन योजना का लाभ ले रही एक महिला ने योजना की किस्त की मदद से दुग्ध व्यवसाय शुरू किया है। मंदिर हसौद के ग्राम पिपरहट्टा निवासी उषा बैस की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। महतारी वंदन योजना की किस्त मिलने से उसके जीवन में बदलाव आया। उसने दुग्ध का व्यवसाय शुरू किया, जिससे उसकी सालाना आय लगभग एक लाख रुपए तक पहुंच गई है। उषा को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता खोमेश्वरी साहू ने इस योजना के बारे में जानकारी दी और आवेदन के लिए प्रेरित किया। योजना के तहत नियमित रूप से मिलने वाली राशि को उषा ने खर्च करने के बजाय बचत के रूप में जमा करना शुरू किया।

मशीन एक, इसलिए हर साल टारगेट का 20 प्रतिशत भी विभाग नहीं कर पाता नए बोरवेल

477 ग्रामों के लिए एक बोरवेल मशीन, 8227 में 250 से अधिक सूखे, 100 से ज्यादा खराब

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

रायपुर जिले में इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है, जिसके कारण कई ग्रामों में भू-जल का स्तर काफी नीचे चला गया है। इसके कारण कई ग्रामों में स्थापित किए गए बोर तक सूख चुके हैं, जिसके कारण ग्रामवासी पानी की समस्या से जूझ रहे हैं। एक ओर जहां भू-जल स्तर के नीचे चले जाने से लगातार बोर सूख रहे हैं, वहीं दूसरी ओर जिला पंचायत रायपुर अंतर्गत 477 ग्रामों में बोरवेल खनन के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) के पास मात्र एक ही मशीन उपलब्ध है। इस मशीन के जरिए ही ग्रामीण क्षेत्रों में बोरवेल किया जाता है। जिन-जिन ग्रामों में बोरवेल सूख चुके हैं, वहां नए बोरवेल के लिए हर साल पीएचई विभाग को टारगेट भी दिया जाता है। इस टारगेट के एवज में विभाग 20 प्रतिशत भी नए बोरवेल करा नहीं पाता, जो ग्रामीण क्षेत्रों के लिए बड़ी समस्या बनी हुई है।

जल जीवन मिशन योजना के 175 ग्रामों में कार्य अपूर्ण

विभाग के आंकड़ों के अनुसार जल जीवन मिशन अंतर्गत रायपुर जिले के अभनपुर, आरंग, धरसींवा एवं तिल्दा ब्लॉक अंतर्गत कुल 477 ग्रामों में घर-घर नल कनेक्शन से पानी पहुंचाने का कार्य किए जा रहे हैं। इसके तहत 302 ग्रामों में कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं, वहीं 175 ग्रामों में अब तक कार्य अधूरे हैं। हालांकि विभाग के इन आकड़ों को जिला पंचायत रायपुर के वतन चंद्राकर सहित अन्य कुछ सदस्यों ने गलत बताया है। सदस्यों के अनुसार कार्य पूर्ण होने के बाद भी थोक में कई ग्रामों में पानी की सप्लाई शुरू नहीं हो पाई है, जिसके कारण वे गांव अभी भी प्यासे हैं।

256 सूख चुके हैंडपंप, नए लगे नहीं

जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक में पीएचई विभाग ने आकड़ा प्रस्तुत किया है। इसके तहत जिले के चारों ब्लॉक क्षेत्रों में कुल 477 ग्रामों में 8277 हैंडपंप स्थापित किए गए हैं। इनमें से वर्तमान में 7868 को चालू बताया गया है, जबकि 103 खराब तथा 256 सूख चुके हैं। इसके कारण इन हैंडपंपों का इस्तेमाल भी नहीं हो पा रहा है। इस तरह जिन ग्रामों में हैंडपंप सूख चुके हैं, वहां नए हैंडपंप लगाने के लिए बोरवेल किया जाना है। इसके लिए विभाग को टारगेट भी मिला है, लेकिन सूत्रों के अनुसार इस टारगेट के एवज में अभी तक कुछेक जगह ही नए बोरवेल किए गए हैं, जिसके कारण उन ग्रामों में पानी की समस्या गंभीर बनी हुई है। इधर सूत्रों से यह भी जानकारी मिली है कि खराब पड़े हैंडपंपों को सुधारने के कार्य भी अटके हुए हैं। भीषण गर्मी के बावजूद इन हैंडपंपों को सुधारने के लिए अब तक कोई पहल नहीं की गई है। बताया जा रहा है कि फंड नहीं होने के कारण हैंडपंपों को सुधारा नहीं जा रहा है। हालांकि इस मामले में विभागीय अधिकारियों द्वारा यही दावा किया जाता है कि खराब हैंडपंपों को लगातार सुधारा जा रहा है।

पिछले वर्ष 100 का मिला टारगेट, 20 भी नलकूप खनन नहीं कर पाया विभाग

पीएचई विभाग को वर्ष 2025 में गर्मी का सीजन शुरू होने से पूर्व तक 100 नलकूप खनन का टारगेट दिया गया था। इसकी तुलना में 20 नए नलकूप खनन भी नहीं कर पाया था। इसे लेकर जिला पंचायत सदस्यों ने गहरी नाराजगी भी जताई थी।

पानी का नमूना जांचे बगैर खोद दिया कुंआ

नलकूप खनन करने के पहले पानी का नमूना जांचा जा रहा है या नहीं, इसे लेकर भी कई ग्राम में शिकायत आ रही है, क्योंकि नलकूप खनन के बाद कुछ ग्रामों से शिकायत आई थी कि पानी पीने योग्य नहीं है। धरसींवा क्षेत्र के चरौदा से आई इस शिकायत की जांच भी कराई गई है। हालांकि अफसरों ने जांच में पानी को पीने योग्य बताया है। इधर तिल्दा के देवगांव में भी पानी का नमूना जांचे बिना ही एक कुंआ खोद दिया गया था, जिसकी शिकायत मिलने पर अफसरों ने कुंआ के पानी को क्लोरिनेशन कराना पड़ा। इस कुंए के पानी को अब पीने योग्य बताया गया है।

ज्ञानभारतम् सर्वे 31 मई तक हर हाल में पूरा करें

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

मुख्य सचिव विकासशील ने कहा, शासकीय संस्थानों, मंदिरों, मठों, पुस्तकालयों, महाविद्यालयों एवं निजी संस्थानों में संरक्षित पांडुलिपियों के सर्वेक्षण के लिए सक्रिय प्रयास करें। उन्होंने कहा, परंपरागत समुदायों और पुरातात्विक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण पांडुलिपियां और ज्ञान-संपदा मिल सकती है, इसलिए इन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने जनभागीदारी बढ़ाने के लिए "पांडुलिपि ट्रेजर हंट" जैसे नवाचारों के आयोजन का सुझाव दिया गया, जिससे आम नागरिक भी इस अभियान से जुड़ सकें।

मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में बुधवार को मंत्रालय 'ज्ञानभारतम्' राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वेक्षण अभियान समिति के सदस्य तथा सभी जिलों के कलेक्टर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। इस दौरान अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि सर्वेक्षण कार्य 31 मई तक हर हाल में पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा, यह सर्वे केवल प्रशासनिक कार्य नहीं, बल्कि राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्राचीन ज्ञान परंपरा के संरक्षण का महत्वपूर्ण अभियान है। जिलों में उपलब्ध पांडुलिपियों की पहचान, दस्तावेजीकरण, डिजिटलीकरण और संरक्षण को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए है।

प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र देकर प्रोत्साहित करें

बैठक में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित करने तथा स्थानीय पत्रकारों, साहित्यकारों, इतिहासकारों और जनप्रतिनिधियों को अभियान से जोड़ने पर बल दिया गया। यह अभियान पूरे देश के लिए ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण और उसे आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सर्वेक्षण कार्य के दौरान पांडुलिपियों के स्वामित्व अधिकारों का सम्मान, बिना अनुमति स्थानांतरण न करने और सभी गतिविधियों में पारदर्शिता बनाए रखने पर जोर दिया गया।

शासकीय सेवक किसी भी राजनीतिक दल के सदस्य नहीं बन सकेंगे

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने सभी शासकीय सेवकों के लिए आचरण नियमों के पालन को लेकर स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। जारी निर्देशों में कहा गया है कि छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के तहत प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी को अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्पक्षता, ईमानदारी और निष्ठा के साथ करना अनिवार्य है।

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि कोई भी शासकीय सेवक किसी राजनीतिक दल या संगठन का सक्रिय सदस्य नहीं बन सकता और न ही किसी प्रकार की राजनीतिक गतिविधि में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भाग ले सकता है। इसके अलावा, बिना सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के किसी भी शासकीय या अशासकीय संस्था, समिति, संगठन या निकाय में कोई पद धारण करना भी प्रतिबंधित है। निर्देशों में यह भी कहा गया है कि कोई भी कर्मचारी ऐसा कोई दायित्व स्वीकार नहीं करेगा, जिससे उसके शासकीय कार्य प्रभावित हों। प्रशासन का मानना है कि इन नियमों का पालन सुनिश्चित करना सुशासन और प्रशासनिक पारदर्शिता बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

नियमों का उल्लंघन करने पर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई

सभी विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि वे इन प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। यदि किसी भी स्तर पर नियमों का उल्लंघन पाया जाता है, तो संबंधित कर्मचारी के खिलाफ छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम और छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम के तहत सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। सरकार के इस कदम को प्रशासनिक अनुशासन और निष्पक्षता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

शासकीय संगठनों राजनैतिक दलों पर रोक क्या आरएसएस पर भी लागू होगी : कांग्रेस

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने एक परिपत्र जारी किया है, इसके अनुसार कोई भी शासकीय कर्मचारी किसी राजनैतिक दल या संस्था का सदस्य नहीं हो सकता, किसी भी गतिविधियों में भाग नहीं ले सकता है, उसमें पदाधिकारी नहीं बन सकता। यह नियम पूरे देश में पहले से लागू है, इस नियम का कांग्रेस स्वागत करती है। उन्होंने कहा, एक सवाल खड़ा होता है कि क्या यह नियम आरएसएस पर भी लागू होगा ? या फिर इस नियम के अनुसार चिन्हांकित कर ही कार्रवाई की जाएगी?

30 को विधानसभा का विशेष सत्र, विपक्ष ने कहा- एक नहीं, दो दिन का बुलाएं

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर विपक्ष के खिलाफ लाया जाएगा निंदा प्रस्ताव : साव

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लोकसभा से पारित नहीं हो पाने पर विपक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाने 30 अप्रैल को छत्तीसगढ़ विधानसभा का विशेष सत्र आहूत किया जा रहा है। विशेष सत्र की जानकारी देते हुए उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बताया कि सरकार की ओर से 30 अप्रैल को विशेष सत्र आयोजित करने का आग्रह हुआ। विधानसभा अध्यक्ष तय करेंगे कि कितने दिन का सत्र होगा। इधर नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा, अगर सरकार झूठ को सच साबित करने के लिए सत्र बुला रही है, तो एक दिन के बजाय दो दिन का सत्र बुला ले।

डिप्टी सीएम ने कहा, कांग्रेस और विपक्षी दलों ने आधी आबादी को उनके संवैधानिक अधिकार से वंचित करने का काम किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट किया है कि उनके अधिकार दिलाने तक संघर्ष जारी रहेगा। वहीं कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आतंकवादी कहे जाने पर उप मुख्यमंत्री साव ने कहा, कांग्रेस घटिया और निम्न स्तर की राजनीति कर रही है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष का इस तरह की भाषा का उपयोग करना दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। उन्होंने कहा, यह सिर्फ प्रधानमंत्री का नहीं, बल्कि देश के 140 करोड़ लोगों का अपमान है। कांग्रेस अपनी गिरती हुई राजनीति का परिचय दे रही है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने देश में आतंकवाद, अलगाववाद और नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ी और आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब दिया। ऐसे प्रधानमंत्री के लिए इस तरह की भाषा का इस्तेमाल कांग्रेस के राजनीतिक पतन और घटियापन को दर्शाता है।

विशेष सत्र बुलाने के फैसले पर महंत ने उठाए सवाल

छत्तीसगढ़ में विधानसभा के प्रस्तावित विशेष सत्र को लेकर नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने सत्र बुलाने के फैसले पर सवाल उठाते हुए सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, विधानसभा का विशेष सत्र प्रदेश के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के लिए बुलाया जाता है, लेकिन इस बार केंद्र के दबाव में केवल निंदा प्रस्ताव पारित कराने के उद्देश्य से सत्र बुलाया जा रहा है। हमने तो गांधी जयंती पर विशेष सत्र बुलाया था। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में पहली बार सुना है कि केवल निंदा प्रस्ताव के लिए विशेष सत्र बुलाया जा रहा है। डॉ. महंत ने यह भी कहा कि अगर सरकार झूठ को सच साबित करने के लिए सत्र बुला रही है, तो एक दिन के बजाय दो दिन का सत्र बुला ले। उन्होंने कहा, पहले दिन आप निंदा कर लीजिए, गालियां दे दीजिए और दूसरे दिन हमें भी अपनी बात रखने का मौका दीजिए।

33 प्रतिशत बीजेपी सांसदों, प्रधानमंत्री को पत्र लिखे : उपाध्याय

महिला आरक्षण को लेकर बीजेपी सांसदों को उपाध्याय ने लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

पूर्व संसदीय सचिव एवं विकास उपाध्याय के नेतृत्व में बुधवार को महिला आरक्षण बिल को लेकर डॉ. भीमराव आंबेडकर चौक कलेक्टोरेट परिसर के सामने महिला विरोधी भाजपा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। उन्होंने कहा, महिला आरक्षण बिल का नाम देकर देश में गलत तरीके से परिसीमन को दूसरे दरवाजे से लागू कराने के लिये इसे सदन में लाने का काम किया गया था, जिसे कांग्रेस पार्टी सहित सभी विपक्षी दलों ने एकजुट होकर धराशायी कर दिया। छत्तीसगढ़ के पूर्व एवं वर्तमान भारतीय जनता पार्टी के सांसदों को पत्र के माध्यम से अवगत कराया गया कि वर्ष 2023, 20 सितम्बर को जब लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पारित हुआ था, उस समय आप सांसद थे और सदन का हिस्सा थे। आपकी पार्टी द्वारा झूठ फैलाया जा रहा है कि कांग्रेस पार्टी सहित विपक्षी दलों ने महिला आरक्षण बिल का विरोध किया है,

जबकि 20 सितम्बर को लोकसभा में जब महिला आरक्षण बिल को लाया गया था, तब सर्वसम्मति से पक्ष और विपक्ष ने एकसाथ मिलकर इसे समर्थन देते हुए इस विधेयक को पारित किया था।

छत्तीसगढ़ की जनता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन सहित भारतीय जनता पार्टी के अपने समस्त नेताओं को रामचरित मानस और संविधान की कसम खाते हुये इस विषय से अवगत कराएं और पत्र और विडियो के माध्यम से जनता को सच्चाई बताने का कष्ट करें कि महिला आरक्षण बिल को 2023 में सभी दलों की सर्वसम्मति से पारित किया जा चुका है। इसके लिए सभी भाजपा सांसदों को वर्तमान की 543 सीट पर 33 प्रतिशत महिला आरक्षण बिल पारित करने के लिए प्रधानमंत्री को पत्र लिखने की मांग की है।

साय ने कांग्रेस अध्यक्ष के बयान पर कहा- प्रधानमंत्री के प्रति अपमानजनक टिप्पणी लोकतंत्र पर आघात

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए प्रयुक्त अपमानजनक शब्दों को लेकर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा, खड़गे द्वारा की गई टिप्पणी न केवल स्तरहीन, अपमानजनक, अमर्यादित और अशिष्ट है, बल्कि यह देश के उन करोड़ों नागरिकों का भी सीधा अपमान है, जो प्रधानमंत्री को अपना आदर्श मानते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, लोकतांत्रिक व्यवस्था में इस प्रकार की अमर्यादित भाषा का प्रयोग निंदनीय है और यह स्वस्थ राजनीतिक संवाद की मर्यादाओं को ठेस पहुंचाता है। उन्होंने इसे लोकतंत्र की गरिमा पर गहरा आघात बताते हुए कहा कि सार्वजनिक जीवन में इस तरह के बयान लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत हैं और इनकी जितनी भर्त्सना की जाए, वह कम है। कांग्रेस पार्टी की यह बौखलाहट उसके राजनीतिक पतन का स्पष्ट संकेत है।

■ कांग्रेस पार्टी की यह बौखलाहट उसके राजनीतिक पतन का स्पष्ट संकेत- मुख्यमंत्री

बिना शर्त देश की जनता से मांगें माफी

उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस पार्टी से मांग की है कि वे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा देश की जनता से बिना शर्त सार्वजनिक रूप से माफी मांगें, जहां मुद्दों की जगह व्यक्तिगत आक्षेप और अमर्यादित भाषा ने ले ली है। लोकतंत्र में ऐसी मानसिकता न केवल अस्वीकार्य है, बल्कि जनभावनाओं का अपमान भी है, कांग्रेस को तुरंत आत्ममंथन करते हुए बिना शर्त सार्वजनिक माफी मांगनी चाहिए।

खबर संक्षेप

गर्मी में लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत : डॉ. गजेन्द्र ध्रुव

मैनपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मैनपुर के खंड चिकित्सा अधिकारी डा गजेन्द्र ध्रुव ने क्षेत्र में लगातार बढ़ते तापमान और भीषण गर्मी को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने आम नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी की है। बीएमओ श्री ध्रुव ने बताया कि अप्रैल और मई के दौरान हीटवेव लू का खतरा

काफी बढ़ जाता है ऐसे में लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि गमऍ के इस मौसम में लू, डिहाइड्रेशन, उल्टी–दस्त और आंखों के संक्रमण आई फ्लू जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। शरीर में पानी की कमी होने से कई स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती है इसलिए पर्याप्त मात्र में पानी पीना बेहद जरूरी है। साथ ही नींबू पानी, छाछ, नारियल पानी और ओआरएस का सेवन करने की सलाह दी गई है। खान-पान को लेकर भी सावधानी बरतने की जरूरत है। बासी और अस्वच्छ भोजन से उल्टी–दस्त जैसी समस्याएं हो सकती हैं इसलिए केवल ताजा और स्वच्छ भोजन ही ग्रहण करें। श्री ध्रुव ने बताया कि दोपहर 12 बजे से 4 बजे के बीच तेज धूप में निकलने से बचें। यदि बाहर जाना आवश्यक हो, तो सिर को ढककर रखें, हल्के और सूती कपड़े पहनें तथा टोपी और धूप के चश्मे का उपयोग करें। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी व्यक्ति को सिरदर्द, चक्कर, कमजोरी या उल्टी जैसे लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत ठंडी जगह पर आराम करें और नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें।

निःशुल्क प्रशिक्षण के लिए 30 तक कर सकते हैं पंजीयन

महासमुंद। भारतीय सेना में अग्निवीर के विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए 10 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किया गया था। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि ऐसे आवेदकों के लिए रोजगार कार्यालय द्वारा लिखित परीक्षा के पूर्व निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान करने की व्यवस्था की गई है। जिसमें विषय विशेषज्ञों द्वारा निःशुल्क कोचिंग दी जाएगी। यह निःशुल्क प्रशिक्षण 04 मई से प्रारंभ होकर 4 जून 2026 तक चलेगा।

कार्यक्रम : जामगांव में मानस महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत महापुराण का समापन

चरित्र निर्माण ही नैतिक शिक्षा का है मूल आधार : पुष्पा साहू

हरिभूमि न्यूज ▸▸| छुईहा बेलर

ग्राम छुआही बेलर जामगांव में पिछले पांच दिनों से चल रहा श्रीराम चरित मानस महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञानयज्ञ सप्ताह 21 अप्रैल को भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर रामकथा के रस में डूबे श्रद्धालुओं ने भक्ति की अनूठी मिसाल पेश की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता, यज्ञकर्ता महंत संत श्री सिया गोवर्धन शरण व्यास जी के श्रीमुखारविद् से दिव्य रामकथा का श्रवण कर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। कथा के दौरान महंत जी द्वारा धर्म, भक्ति एवं संस्कारों पर दिए गए ओजस्वी प्रवचनों ने उपस्थित जनसमूह को आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया। रामकथा के माध्यम से उन्होंने जीवन जीने की कला और मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के आदर्शों को आत्मसात करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचीं जनपद पंचायत की पूर्व अध्यक्ष पुष्पा साहू ने रामचरितमानस यज्ञ देव स्थापना मंडप, भागवत कथा व्यास पीठ एवं मानस ग्रंथ की पूजा-अर्चना कर संत महंत गोवर्धन शरण का आशीर्वाद लिया।

सभा को संबोधित करते हुए पुष्पा साहू ने कहा, नैतिक शिक्षा के तीन प्रमुख स्तंभ हैं चरित्र निर्माण, चरित्र का विकास और चरित्र का सुधार।/" उन्होंने रामायण का उदाहरण देते हुए बताया कि लंका में रावण का चरित्र सुधारने के लिए तीन प्रमुख प्रयास हुए प्रथम उसकी पत्नी मंदोदरी, द्वितीय पुत्र प्रहस्त और तृतीय भाई विभीषण द्वारा। ये तीनों ही प्रयत्न विफल रहे क्योंकि अहंकार और चाटुकारों की संगत ने रावण को पतन की ओर धकेल दिया था। उन्होंने कहा कि रामायण की हर चौपाई और दोहा चरित्र निर्माण की शिक्षा देते हैं, जिसे गोस्वामी तुलसीदास जी ने इसी उद्देश्य से लिपिबद्ध किया है।

गणमान्य जनों की उपस्थिति

इस भव्य आयोजन में क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता निभाई। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला पंचायत सभापति नंदनी कोमल ढीढी, मधुबाला रात्रे, जनपद सदस्य चम्पेश्वरी ध्रुव, मिजुन साहू, दशरथ सिन्हा, बिरसिंग देवांगन, लीलाराम सिन्हा, रेखराम सिन्हा, लोकराज साहू, हेमलाल साहू, शिवराम सिन्हा, निलम साहू, ओमप्रकाश ध्रुव, सरपंच रेणुका हिरू डहरे, तेजराम सिन्हा, लाला साहू, नीरा साहू, देवकी साहू एवं अनुसुइया सिन्हा उपस्थित रहे।

दूल्हे के सिर का ताज मउर बनाने में व्यस्त कारीगर

हरिभूमि न्यूज ▸▸| मैनपुर

बदलता दौर और आधुनिकता की चकाचौंध के बावजूद छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत और शादी-ब्याह की पारंपरिक रस्में आज भी अपनी चमक बनाए हुए हैं। विवाह संस्कार में 'मउर' (मुकुट) के बिना दूल्हे का श्रृंगार अधूरा माना जाता है। शादी का सीजन शुरू होते ही मैनपुर क्षेत्र में मउर बनाने वाले कारीगरों के पास फुर्सत नहीं है। बांस और छिंद के पत्तों से बने ये पारंपरिक मुकुट आज भी शादी-ब्याह की पहली पसंद बने हुए हैं। मैनपुर के पटेलपारा निवासी तुलाराम पटेल पिछले करीब 30 वर्षों से मउर बनाने का कार्य कर रहे हैं। वे बताते हैं कि मउर बनाना कोई मामूली काम नहीं है, इसमें काफी बारीकी और मेहनत लगती है। एक जोड़ी मउर को तैयार करने में उन्हें दो दिन का समय लगता है। इसे बनाने के लिए बांस, छिंद के पत्ते, रंगीन चमकीले कागज और तामड़ा का उपयोग किया जाता है। तुलाराम पेशे से एक समृद्ध कृषक हैं और खेती-किसानी के साथ सब्जियां भी उगाते हैं, लेकिन मउर बनाना उनकी सामाजिक सेवा और परंपरा का हिस्सा है। वे कहते हैं, /"कई बार तो मैं सिर्फ एक नारियल के शगुन पर भी मउर बनाकर दे देता हूँ। यह हमारा पारंपरिक काम है जिसे मैं पूरे सेवाभाव के साथ करता हूँ।/" वर्तमान में वे 50 से अधिक जोड़ों के ऑर्डर तैयार कर रहे हैं। ये मउर केवल दूल्हे के लिए ही नहीं, बल्कि दुल्हन, देव स्थल और मड़वा (हल्दी-तेल) रस्मों के लिए भी बनाए जाते हैं।

■ 30 वर्षों से परंपरा को सहेज रहे तुलाराम

नवापारा में 65 लाख के विकास एवं निर्माण कार्यों का भूमिपूजन

हरिभूमि न्यूज ▸▸| नवापारा-राजिम

बुधवार को शहर के विभिन्न वार्डों में सीसीरोड, शेड, सामुदायिक भवन, दशगात्र शेड के कुल 65 लाख के निर्माण कार्यो का भूमिपूजन विधायक इंद्रकुमार साहू ने नगर पालिका अध्यक्ष ओमकुमारी-संजय साहू, नपा उपाध्यक्ष भूपेंद्र सोनी, नपा नेता प्रतिपक्ष संध्या राव एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष नागेंद्र वर्मा की मौजूदगी में किया। विधायक प्रतिनिधि संजय साहू ने बताया कि वार्ड क्रमांक 4 में सीसी रोड, वार्ड क्रमांक 8 में स्कूल प्रार्थना शेड, वार्ड नंबर 9 में सब्जी मार्केट टीन शेड एवं सीसी रोड, वार्ड क्रमांक 10 में गौरीगौरा मंच, वार्ड क्रमांक 11 में साहू समाज सामुदायिक भवन, वार्ड क्रमांक 15 में मुंडन एवं दशगात्र शेड, वार्ड क्रमांक 17 में सार्वजनिक दुर्गा मंच निर्माण कार्य के लिए भूमिपूजन कार्यक्रम शामिल था। इस तरह नगर में अब तक कुल 2 करोड़ 60 लाख रूपए के विकास एवं निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया जा चुका है।

शहर के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध : साहू

विधायक इंद्रकुमार साहू ने नगर के विकास को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि नगरवासियों की मांग के अनुरूप शहर के सभी वार्डों में निर्माण एवं विकास कार्य तेजी से कराए जा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि शहर में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है, ताकि आम जनता को बेहतर जीवन स्तर मिल सके। विधायक श्री साहू ने कहा कि सड़क, नाली, पेयजल, बिजली एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किए जा रहे हैं। विधायक साहू ने कहा, मैं नगर एवं क्षेत्र के समुचित विकास के लिए दिलो-जान से कार्य कर रहा हूं और आगे भी जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करता रहूंगा। कहा कि नगरवासियों के मांग के अनुरूप सभी वार्डों में निर्माण एवं विकास के कार्य किए जा रहे है। नगर में सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ विकास एवं निर्माण कार्यों के लिए निरंतर प्रयासरत है। भूमिपूजन कार्यक्रम में नपा अध्यक्ष ओमकुमारी-संजय साहू ,नगर पालिका नेता प्रतिपक्ष संध्या राव,उपाध्यक्ष भूपेंद्र सोनी, मंडल अध्यक्ष नागेंद्र वर्मा, पार्षद टिकेश्वर गिलहरे, केकती सोनवानी, फागूराम देवांगन, नम्मूनारायण ध्रुव, सचिन सचदेव, लुमेश्वरी साहू, पूजा कंसारी, अहमद रिजवी इंजीनियर राहुल थवानी सहित नगर के गणमान्य नागरिक एवं पालिका कर्मचारी मौजूद रहे।

नवपदस्थ पुलिस अधीक्षक नीरज चंद्राकर से की मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रसेला

गरियाबंद जिला के नवपदस्थ पुलिस अधीक्षक नीरज चन्द्राकर ने पदभार ग्रहण करने के बाद सोमवार को शिष्टाचार मुलाकात की।इस अवसर पर नीलकंठ ठाकुर छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज गरियाबंद जिलाध्यक्ष, दीपक चन्द्राकर किसान कांग्रेस के ब्लांक अध्यक्ष, पुनितराम ठाकुर छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज गरियाबंद जिला मीडिया प्रभारी भी मौजूद रहे।मुलाकात के दौरान पुलिस अधीक्षक ने उपायुक्त को पुष्पगुच्छ भेंट कर औपचारिक अभिवादन किया।पुलिस अधीक्षक ने जिले की विधि- व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने पर विस्तार से चर्चा हुई। उपायुक्त ने प्रशासन और पुलिस के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि प्रभावी तालमेल से ही कानून व्यवस्था को मजबूत किया जा सकता है।उन्होंने पुलिसिंग को और अधिक जनहितकारी बनाने,आम लोगों के साथ संवाद बढ़ाने तथा पुलिस के प्रति जनता के विश्वास को कायम रखने पर विशेष बल दिया।इस दौरान यह भी तय किया गया कि पुलिस और प्रशासन मिलकर जिले में शांति,सुरक्षा और सुशासन सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास करेंगे।अधिकारियों ने जनसहभागिता को बढ़ावा देने और पारदर्शी कार्यशैली अपनाने पर भी सहमति जताई,ताकि लोगों को बेहतर सुरक्षा और भरोसेमंद वातावरण मिल सके।

पेज 9 के शेष...

स्टंटबाजों पर पुलिस....

डैम पर सुरक्षा का भरोसा मजबूत हुआ है और संभावित हादसों पर अंकुश लगने की उम्मीद बढ़ गई है। गरियाबंद पुलिस द्वारा स्पष्ट रूप से बताया गया है कि डैम का जलस्तर कई स्थानों पर अत्यधिक गहरा है और ऊंचाई से छलांग लगाने पर गंभीर दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इसी को ध्यान में रखते हुए पुलिस टीम लगातार निगरानी कर लोगों को सुरक्षित रहने की अपील कर रही है।

सुरक्षा को प्राथमिकता दें- कोतवाली प्रभारी ओमप्रकाश यादव ने लोगों से अपील की है कि वे अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता दें, गहरे पानी में न जाएं और किसी भी स्थिति में ऊंचाई से डैम में छलांग न लगाएं। साथ ही अभिभावकों से भी बच्चों पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी गई है। इस पहल से जहां एक ओर पुलिस का संवेदनशील और जिम्मेदार चेहरा सामने आया है, वहीं संबंधित विभाग की लापरवाही पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

41 डिग्री तपिश...

में पंखा नही होने के कारण और बिजली की सुविधा नही होने के कारण इस भीषण गर्मी उमस में बच्चे उबल रहे है तथा भोजन के बाद वापस घर लौटते बच्चो को घर तक दोपहर 12 बज रहा है।

दर्जनों ग्रामों में आंगनबाड़ी भवन ही नहीं, झोपड़िया में संचालित हो रहा- आदिवासी विकास खंड मैनपुर क्षेत्र के दर्जनों ग्रामों में आंगनवाड़ी भवन ही नहीं है जिसके कारण झोपड़िया में या फिर किराए के मकान में आंगनबाड़ी का संचालन किया जा रहा है जहां शौचालय और पेयजल की सुविधा नहीं है तो वही मैनपुर विकासखंड क्षेत्र के 70 – 75 पारा टोला गांव में आज तक बिजली नहीं लगी है ऐसे गांव में आंगनबाड़ी केंद्रों में पंखा व कोई सुविधा नहीं है।

अफसर नहीं करते आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण- आंगनबाड़ी केन्द्रों के निरीक्षण करने के बाद ऐसा लगता है कि जिम्मेदार अफसर यदि समय समय पर आंगनबाड़ी केन्द्रो का निरीक्षण करते तो आंगनबाड़ी केन्द्रों में यह समस्या देखने को नहीं मिलती। मैनपुर विकासखंड क्षेत्र के अधिकांश आंगनबाड़ी केन्द्र मूलभूत, बुनियादी सुविधाओं को तरस रहा है और इन आंगनबाड़ी केन्द्रों को अपने स्थिति सुधार का इंतजार है।

पारा 42 डिग्री के...

दे ओआरएस की धोल का उपयोग करे।घर से निकले तो प्राचीन पद्धति के अनुसार जेब मे प्याज का टुकड़ा अव"य ही रखे।लू से बचने के लिए सारे उपाय जो मालूम है उसे करे।ज्ञात हो कि अंचल मे भीशण गर्मी के चलते तापमान 40 से 42 डिग्री के आस पास दर्ज हो रही है।जरूरी काम सुबह 12 बजे तक निपटाने की कोशिश करे। आवश्यक हुआ तो शाम 5 बजे के बाद देर रात तक अपने कार्यो को करें। इस गर्मी मे यदि फीट रहना है तो सुबह जल्दी उठकर नियमित रूप से योगा, व्यायाम एवं वाकिंग करे।

गर्मी में राहत...

यह पानी जीवनरेखा साबित हो रहा है। महिलाएं, अब गांव के ही तालाबों से अपनी जरूरतें पूरी कर पा रही हैं।

प्रशासनिक पहल की सराहना- राजिम विधायक रोहित साहू,जनपद अध्यक्ष इंद्राणी-नेहरू साहू,जिला पंचायत सदस्य नंदनी-ओंकार साहू,जिला पंचायत के पूर्व सदस्य भाजपा जिला महामंत्री चंद्रशेखर साहू, सोसायटी अध्यक्ष महेश साहू, जेंजरा उपसरपंच प्रमोद साहू सहित स्थानीय लोगों ने जल संसाधन विभाग की इस पहल की सराहना की है। उनका कहना है कि समय रहते यह निर्णय लिया गया, जिससे गर्मी के इस कठिन दौर में बड़ी राहत मिली है। कार्यपालन अभियंता श्री बर्मन का कहना है कि क्षेत्र में जल संकट की स्थिति को देखते हुए यह कदम उठाया गया है और आगे भी आवश्यकता अनुसार पानी छोड़ा जाता रहेगा, ताकि किसी भी गांव में जल की कमी न हो। हालांकि इस पहल से तत्काल राहत जरूर मिली है, लेकिन जल संरक्षण को लेकर जागरूकता भी उतनी ही जरूरी है। यदि तालाबों और नहरों के पानी का समुचित उपयोग और संरक्षण किया जाए, तो भविष्य में इस तरह के संकट से बचा जा सकता है। ग्रामवासियों से भी अपील की जा रही है कि वे पानी का दुरुपयोग न करें और जल स्त्रोतों को स्वच्छ बनाए रखें, ताकि यह राहत लंबे समय तक कायम रह सके। बता दें कि हरिभूमि भी पानी की संकट को लेकर लगातार शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित करते रहा है। इस भीषण गर्मी के बीच सिकासर जलाशय से छोड़ा गया पानी निश्चित रूप में क्षेत्र के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। सूखे तालाबों में फिर से पानी का भरना न केवल प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखने में सहायक है, बल्कि यह ग्रामीण जीवन की धुरी को भी मजबूत करता है। प्रशासन की यह पहल संकट की घड़ी में राहत की मजबूत मिसाल बनकर सामने आई है।

शिवेश शुक्ला को...

समन्वयक, समग्र शिक्षा गरियाबंद के द्वारा जारी आदेश को माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष चुनौती दी गई। जिस पर माननीय उच्च न्यायालय द्वारा सुनवाई करते हुए दिनांक 15 जनवरी 2026 को मामले की अगली सुनवाई तक यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया गया। इस बाबत जिला मिशन समन्वयक, समग्र शिक्षा गरियाबंद को नोटिस जारी किया गया। याचिकाकर्ता शंकरलाल यदु के द्वारा माननीय उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश के तहत संकुल समन्वयक के प्रभार से नहीं हटाया गया एवं आदेश के अनुपालन में वही अभी चार्ज पर हैं, परंतु इसके बावजूद भी जिला मिशन समन्वयक, समग्र शिक्षा गरियाबंद के द्वारा शंकरलाल यदु को कार्य करने नहीं दिया जा रहा है, जो कि माननीय उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश का अवहेलना है। आदेश की अवहेलना होने के कारण शंकरलाल यदु के द्वारा माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष शिवेश कुमार शुक्ला (जिला मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा गरियाबंद) के विरुद्ध अवमानना याचिका दायर किया गया, जिस पर सुनवाई करते हुए माननीय उच्च न्यायालय द्वारा शिवेश कुमार शुक्ला (जिला मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा गरियाबंद) के विरुद्ध अवमानना का नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है एवं इस मामले की अगली सुनवाई 4 मई 2026 को नियत किया गया है। इस मामले में माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष गोविंद देवांगन अधिवक्ता के द्वारा पैरवी किया गया एवं इस मामले की सुनवाई माननीय न्यायमूर्ति श्री एन.के. चंद्रवंशी साहब के न्यायालय में हुआ।

तेलमाटी-चुलमाटी के लिए जा रही मातृशक्तियां तो कहीं चढ़ रहा तेल हल्दी

शादी के रंग में रंगा पूरा इलाका शाम ढलते ही जश्न का माहौल

हरिभूमि न्यूज ▸▸| राजिम

इन दिनों समूचा क्षेत्र विवाह के रंग में सराबोर नजर आ रहा है। शहर हो या गांव-हर ओर शहनाई की गूंज, बैंड-बाजों की धुन और खुशियों का माहौल बना हुआ है।

गर्मी के इस मौसम में शादी-विवाह की रौनक में कोई कमी नहीं आई है, बल्कि बदलते समय के साथ रस्मों के आयोजन का समय जरूर बदल गया है। अब अधिकतर परंपराएं शाम और रात के समय ही संपन्न की जा रही हैं। शहर की सड़कों से लेकर गांव की गलियों तक, हर जगह बारातों की चहल-पहल देखी जा सकती है। कहीं बैंड-बाजे के साथ धूमधाम से बारात निकल रही है, तो कहीं धुमाल और पारंपरिक दफड़ा-मोहरी बाजे की थाप पर लोग झूमते नजर आ रहे हैं। बारातियों का उत्साह देखते ही बनता है-नाचते-गाते लोग, आतिशबाजी के बीच आगे बढ़ती बारात और सजे-धजे दूल्हे इस मौसम की खास पहचान बन गए हैं। वहीं दूसरी ओर, शादी वाले घरों में भी

तैयारियों का जोर चरम पर है। महिलाएं तेल-माटी, चूलमाटी जैसे पारंपरिक रीति-रिवाजों के लिए आते-जाते दिखाई दे रही हैं तो कही मंडप में तेल हल्दी चढ़ रहा है। गर्मी की तीव्रता को देखते हुए ये सभी रस्में अब दिन की बजाय शाम के समय संपन्न की जा रही हैं, जिससे लोगों को थोड़ी राहत मिल सके। शाम होते ही रोशनी, संगीत और खुशियों का संगम एक अलग ही तस्वीर प्रस्तुत करता है, जो इस मौसम की खास पहचान बन गया है।

मैरिज गार्डन और पैलेस हुए हाउसफुल- शादी का सीजन पूरे क्षेत्र में चरम पर है। गांव से लेकर शहर तक हर जगह शादियों की धूम देखने को मिल रही है। गरीब परिवार जहां सीमित संसाधनों के बीच अपने घरों में ही विवाह संपन्न कर रहे हैं या धर्मशालाओं का सहारा ले रहे हैं, वहीं मध्यम और संपन्न वर्ग के लोग पैलेस और बड़े मैरिज गार्डन का रुख कर रहे हैं। हालांकि लगातार शादियों की वजह से अधिकांश पैलेस और आयोजन स्थल पूरी तरह व्यस्त नजर आ रहे हैं। कई जगहों पर बुकिंग पहले से ही फुल हो चुकी है, जिससे लोगों को अपनी सुविधा के अनुसार स्थान नहीं मिल पा रहा है। स्थिति यह है कि एक ही दिन में कई-कई कार्यक्रम होने से व्यवस्थाओं पर भी दबाव साफ दिखाई दे रहा है। शादी के इस लगातार चल रहे सिलसिले ने न केवल बाजार में रौनक बढ़ा दी है, बल्कि आयोजन स्थलों की उपलब्धता को भी चुनौतीपूर्ण बना दिया है।

शादियों के शुभ मुहूर्त- पंडित कन्हैया तिवारी के मुताबिक इस बार शादियो के बहुत मुहुर्त है। बहुत सारे मुहुर्त निकल गए जिसमें खूब शादियां हुई और अभी बचे हुए मुहुर्त में 25,26,27,29,30 अप्रैल और मई में 5,6,7,8,9,10,14 मई को मुहुर्त है। इसके बाद 17 मई से 15 जून तक थम जाएगा फिर 22 जून से शुरू होकर 23,24,25,26,27,28,29 जून तथा 1 जुलाई से 11 जुलाई तक शादियो के मुहुर्त है।

झलप में तेज रफ़्तार हाइवा ने कार को मारी टक्कर

झलप। छिलपावन चौक झलप में कल देर रात एक तेज रफ़्तार हाइवा ने स्विफ्ट कार को जोरदार टक्कर मार कर दी, जिससे कार हाईवे से उछलकर कर सर्विस रोड किनारे की दुकान के पास जा गिरी। प्रत्यक्षदर्शी के हिसाब से स्विफ्ट कार क्रमांक पीबी 29 एजी 1662 ओडिशा से रायपुर जा रही थी, जब उसकी टक्कर करीब रात के 11:40 मिनट पर हाइवा से हो गई। इसमें पंजाब के मोगा निवासी रमन और उनके साथ में ड्राइवर मौजूद थे। इस टक्कर में ड्राइवर के हाथ, पैर और फेफड़े की कुछ पसलियों के टूटने की जानकारी मिली है। दूसरे सवार रमन के सिर में चोट आई है।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

योगिता बनी नेशन्स प्राइड स्कूल की टॉपर

छुरा। नेशन्स प्राइड स्कूल में आज सत्र 2025-26 का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। विद्यालय की मेधावी छात्रा योगिता सिन्हा ने विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया ,डायरेक्टर ललित कुमार साहू एवं प्राचार्य संतोष

कुमार निषाद ने योगिता को मिठाई खिलाकर व पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। अपनी सफलता पर योगिता ने कहा, यह मेरे दादा-दादी, माता-पिता, गुरुजनों , परिजनों के आशीर्वाद और कड़ी मेहनत का परिणाम है।/"_ शिक्षकों ने बताया कि योगिता, जिज्ञासु प्रवृत्ति की बालिका है। हर क्षेत्र में सीखने के लिए लालायित रहती है। वह नियमित कक्षा में उपस्थित रहती थी और पढ़ाई के प्रति हमेशा गंभीर रही। योगिता सिन्हा, ख्यातिलब्ध लोकगीत गायक, से.नि. व्याख्याता के.आर. सिन्हा, राम बाई की नातिन है। योगिता सिन्हा, अपने दादा के नक्शेकदम पर चलते हुए हारमोनियम, तबला वादन, गायन, नृत्य, मंच संचालन आदि विधाओं में विशेष रुचि रखती है। विद्यालय परिवार से कृष्णेश यदु, जया यादव, देवबती निषाद, चितरंजनी निषाद , हंसी साहू, अर्चना साहू, मंजुलता साहू, खुशबू रानी ठाकुर, राजेश्वरी सिन्हा ने योगिता के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए अन्य विद्यार्थियों को भी उससे प्रेरणा लेने को कहा।

भूमिहीन सम्मान निधि योजना में पंचों को वंचित करना अनुचित : साहू

राजिम। सरपंच संघ अध्यक्ष हरीश साहू ने एक विज्ञप्ति में कहा कि प्रदेश में भूमिहीन सम्मान निधि योजना को लेकर जारी नए नियमों ने पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीण

हितग्राहियों में भारी असंतोष पैदा कर दिया है। नियम के तहत पूर्व एवं वर्तमान पंचों के नाम, भले ही वे भूमिहीन और गरीब क्यों न हों, सूची से हटाए जा रहे हैं। पंचायत स्तर पर सरपंच और सचिव के माध्यम से सत्यापन की प्रक्रिया के बाद कई जरूरतमंदों को योजना से वंचित किया जा रहा है। यह गरीब विरोधी और जमीनी जनप्रतिनिधियों के सम्मान के खिलाफ बताया है। कहा कि यह फैसला अनुचित प्रतीत होता है। कहा कि गांव का एक गरीब व्यक्ति, जो पंच बनकर अपने वार्ड और गांव की सेवा करता है, उसे भूमिहीन होने के बावजूद योजना से बाहर कर दिया जाता है। जबकि पंच गांव की राजनीति की जड़ होते हैं। ये वही जमीनी कार्यकर्ता हैं, जो वार्डस्तर पर नेतृत्व करते हैं और लोकतंत्र को मजबूत बनाते हैं। कहा कि वे इस तथ्य को शासन स्तर में ध्यान में लाएंगे।

नर्रा में पानी टंकी का मुख्य वाल्व लीकेज परिसर में जलभराव

नर्रा। जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के जमीनी हकीकत कुछ और बयां कर रही है। शासन द्वारा ग्राम पंचायत नर्रा के वार्ड नं. 1 में लाखों रुपए की लागत से निर्मित पानी टंकी पाइपलाइन को भ्रष्टाचार और विभागीय लापरवाही की भेंट चढ़ती नजर आ रही है। निर्मित पानी टंकी का मुख्य वाल्व लीकेज है। वहीं वाल्व लीकेज होने के कारण टंकी परिसर में जल भराव हो गया है। जिससे हजारों लीटर पानी व्यर्थ बहकर रहा है। ग्रामीण पाइपलाइन और वाल्व की गुणवत्ता पर सवाल उठा रहे हैं।

निधन

अशोक सेन

रसेला। अशोक सेन पिता स्व. बुंदेल सेन ग्राम रसेला निवासी 50

वर्ष का गुरुवार को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार गांव के मुक्तिधाम में किया गया। जिसमें गांव के गणमान्य नागरिक शामिल हुए। वे परमानंद सेन के पिता और अशवत, घनश्याम, हेमंत, टंकेश्वर,राजु के भैया थे।

कानूनी शिकंजा : सीतानदी रेंज के जैतपुरी गांव के 166 अतिक्रमणकारी अब खाएंगे जेल की हवा

सैटेलाइट और ड्रोन से खुली 1 लाख पेड़ कटाई की साजिश, 166 अतिक्रमणकारियों पर कानूनी शिकंजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के कोर क्षेत्र में वन अतिक्रमण का एक अत्यंत गंभीर मामला सामने आया है। अत्याधुनिक तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर प्रबंधन ने 166 अतिक्रमणकारियों को चिन्हित किया है, जिन्होंने पिछले 15 वर्षों में रिजर्व की 106 हेक्टेयर (265 एकड़) सघन वन भूमि पर अवैध कब्जा कर लिया था। इस पूरे खेल में लगभग 1 लाख वृक्षों की बलि चढ़ा दी गई है। टाइगर रिजर्व के उप निदेशक वरुण जैन ने बताया कि इस अतिक्रमण को पकड़ने के लिए वन विभाग ने हाई-टेक तकनीक का सहारा लिया। इसरो की वर्ष 2006, 2008, 2010, 2012 और 2022 की सैटेलाइट इमेजरी के तुलनात्मक अध्ययन से पता चला कि वन क्षेत्र का घनत्व 1000 वृक्ष प्रति हेक्टेयर से घटकर महज 25-50 वृक्ष प्रति हेक्टेयर रह गया है। इसके अलावा, ड्रोन सर्वेक्षण के जरिए 10 सेंटीमीटर तक की बारीकी से कब्जाधारियों के खेत, कटे वृक्षों के ठूंठ और अतिक्रमण के दायरे की डिजिटल इमेजरी तैयार की गई है, जो कोर्ट में ठोस सबूत का काम करेगी।

पर्यावरण के लिए खतरा और बहाली की योजना

सीतानदी कोर क्षेत्र न केवल महानदी का उद्गम स्थल है, बल्कि यह बाघ, तेंदुआ और हाथियों का महत्वपूर्ण गलियारा भी है। जंगलों के कटने से पारिस्थितिकी तंत्र (इकोलॉजी) पर बुरा असर पड़ा है। टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने अब 'रिस्टोरेशन प्लान' तैयार किया है। खाली कराए गए क्षेत्रों में भू-जल संरक्षण संरचनाएं (सोखता गड्ढे आदि) बनाई जाएंगी और बड़े पैमाने पर सघन वृक्षारोपण कर जंगल को पुनर्जीवित किया जाएगा।

कानूनी कार्रवाई और संपत्तियों की कुर्की

प्रशासन ने सभी 166 अतिक्रमणकारियों (ग्राम जैतपुरी) के विरुद्ध पीओआर क्रमांक 15/10, 15/11, 15/12 और 15/13 दर्ज कर उन्हें बेदखली नोटिस जारी किए हैं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि वन्यजीव संरक्षण कानून के तहत 7 साल और लोक संपत्ति क्षति अधिनियम के तहत 3 साल तक के सश्रम कारावास का प्रावधान है। साथ ही, अतिक्रमणकारियों द्वारा इस अवैध कमाई से अर्जित की गई संपत्तियों को भी अटैच (कुर्क) करने की तैयारी की जा रही है।

3 वर्षों में 850 हेक्टेयर अतिक्रमण मुक्त

टाइगर रिजर्व प्रबंधन की सक्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पिछले 3 वर्षों में टीम ने 850 हेक्टेयर वन भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया है। अब तक लगभग 600 शिकारी, तस्कर और अतिक्रमणकारियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। अधिकारियों का दावा है कि इस सख्ती के बाद क्षेत्र में मानव-वन्यप्राणी द्वंद्व भी अब लगभग शून्य हो गया है।

दुकानों में स्टॉक खत्म, अवैध महुआ शराब पर पुलिस का डंडा, 17 लीटर के साथ दो गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गरियाबंद

जिले में शराब सप्लाई ठप होने के बाद हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। सरकारी मदिरा दुकानों से अद्धी, पौवा और फूल बोतल तक गायब हो चुकी हैं, जिसके चलते मदिरा प्रेमियों को अब कच्ची महुआ शराब का सहारा लेना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार, जिले की सभी 17 शराब दुकानों में देशी शराब की सप्लाई पूरी तरह बंद है। वहीं अंग्रेजी शराब भी सीमित मात्रा में उपलब्ध है, लेकिन ब्रांड की कोई निश्चितता नहीं होने से उपभोक्ता असमंजस में हैं। ऐसे में नशे के आदी लोग ग्रामीण इलाकों की ओर रुख कर महुआ से बनी कच्ची शराब का सेवन कर रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में कच्ची शराब की मांग अचानक बढ़ने से अवैध कारोबार भी तेजी से फैलने लगा है। गांव-गांव में महुआ शराब का निर्माण और बिक्री बढ़ने की खबरें सामने आ रही हैं, जिससे प्रशासन की चिंता बढ़ गई है। बताया जा रहा है कि प्रदेश में लागू की जा रही नई पीईटी बोतल नीति को लेकर डिस्टिलर्स और कंपनियों के विरोध के कारण सप्लाई चेन प्रभावित हुई है। उत्पादन और वितरण धीमा पड़ने से बाजार में यह संकट गहराता जा रहा है। इधर, हालात को देखते हुए पुलिस और आबकारी विभाग भी अलर्ट पर हैं। लगातार छापेमार कार्रवाई कर अवैध महुआ शराब बनाने और बेचने वालों पर कार्रवाई की जा रही है। हाल के दिनों में कई जगहों पर कच्ची शराब जब्त कर आरोपियों की गिरफ्तारी भी की गई है। अधिकारियों का कहना है कि अवैध शराब के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा, लेकिन जब तक दुकानों में नियमित सप्लाई बहाल नहीं होती, तब तक कच्ची शराब की खपत बढ़ने की आशंका बनी रहेगी। शराब की कमी ने एक ओर जहां उपभोक्ताओं को परेशान कर दिया है, वहीं दूसरी ओर अवैध कारोबार को बढ़ावा दे दिया है। ऐसे में प्रशासन के सामने दोहरी चुनौती है सप्लाई व्यवस्था को पटरी पर लाना और कच्ची शराब के बढ़ते नेटवर्क पर प्रभावी रोक लगाना।

पुलिस का नया सवेरा एक्शन, दो आरोपी गिरफ्तार

अवैध शराब के बढ़ते नेटवर्क को देखते हुए गरियाबंद पुलिस अलर्ट मोड पर है। 23 अप्रैल को चलाए गए 'नया सवेरा' अभियान के तहत पुलिस ने ग्राम बरबाहरा में दबिश देकर दो अलग-अलग मामलों में कुल 17 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब जब्त की है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि गांव के कुछ लोग अपने घरों में अवैध शराब छिपाकर रखे हैं। थाना प्रभारी की टीम ने कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया है।

मरार समाज के सामाजिक भवन एवं शाकम्भरी मंदिर का हुआ भूमि पूजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फिंगेश्वर/ छुईहा बेलर

राज्यपाल गोद ग्राम पंचायत बिजली के आश्रित ग्राम माड़वाडीही स्थित मांण्डव्य ऋषि आश्रम परिसर मे मरार पटेल समाज के सामाजिक भवन एवं शाकम्भरी मंदिर का निर्माण के लिए भूमि पूजन कर कार्य का प्रारम्भ किया गया, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप मे सिरकट्टी आश्रम के प्रमुख गोवर्धन शरण व्यास, ग्राम बिजली के सरपंच पदमा मोती निषाद, जनपद सदस्य नंदू यादव उपस्थित थे। सिरकट्टी आश्रम के प्रमुख गोवर्धन शरण व्यास ने कहा की सामाजिक सदभावना और ग्राम के विकास मे सर्व समाज का आस्था का केंद्र आने वाले दिनों मे मण्डव्य ऋषि आश्रम में देखने को मिलेगा निरन्तर विकास से आश्रम की भव्यता बढ़ती जा रही हैं भवन एवं मंदिर निर्माण के लिए मरार समाज के नागरिकगण को बधाई दिए ग्राम बिजली के सरपंच श्रीमती पदमा मोती निषाद ने कहा की सर्व समाज को साथ लेकर चलना और ग्राम पंचायत बिजली को विकसित पंचायत बनाने की परिकल्पना को साकार करना है हमारी पहली प्राथमिकता है। निश्चित है भवन और मंदिर निर्माण के लिए मरार समाज के सदस्यो ने अथक प्रयास किया था। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सरपंच प्रतिनिधि मोती रामनिषाद, उपसरपंच तोषण राम पटेल, पंच अवध पटेल, अजय पटेल, त्रिपुरारी पटेल,लीला राम पटेल,वृक्ष लाल पटेल, आदु राम पटेल, डेरहा पटेल, यशवंत पटेल, डिहु पटेल, जयपाल पटेल, ईश्वर पटेल, खेमू पटेल, भागवत पटेल, राजेश पटेल, कीर्तन पटेल, प्रहलाद पटेल, पूनम पटेल, नोहर पटेल, तरुण पटेल सहित मरार पटेल समाज के सभी सदस्य उपस्थित थे।

कार्यकर्ताओं ने विधायक रोहित का किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजिम

लगभग पखवाड़े भर तक चुनावी दौरे और धार्मिक यात्रा में व्यस्त रहने के बाद बुधवार की शाम विधायक रोहित साहू अपने गृह नगर राजिम लौटे। यहां आने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। विधायक श्री साहू जैसे ही नगर पहुंचे, समर्थकों और कार्यकर्ताओं ने उन्हें फूल-मालाओं से लाद दिया। स्वागत करने वालो में राजिम भक्तिन माता समिति के अध्यक्ष लाला साहू, भाजपा नेता राजू साहू, सुश्री छाया राही, विधायक प्रतिनिधि विजय कड़रा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल थे। मालूम हो कि गर्मी के तीखे मौसम को देखते हुए लाला साहू ने कलिंदर भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया। बताया जा रहा है कि विधायक के लौटने की प्रतीक्षा क्षेत्र के लोग कर रहे थे। स्वागत से अभिभूत विधायक रोहित साहू ने कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि क्षेत्र की जनता का स्नेह और विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे क्षेत्र के विकास के लिए लगातार कार्य करते रहेंगे और जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। आज शुक्रवार से उनका जनदर्शन पुनः शुरू हो जाएगा। वरिष्ठ भाजपा नेता राजू साहू ने बताया कि सुबह 10 से 12 बजे तक जनदर्शन कार्यक्रम होगा। तत्पश्चात दोपहर 1 बजे से राजिम रेस्ट हाऊस में छह विभागो की समीक्षा बैठक होगी जिसमें विशेष रूप से राजस्व विभाग,पीएमजीएसवाय, विद्युत, पीडब्लूडी,वन और आरईएस विभागो के अधिकारी मौजूद रहेंगे।

जिलों में अब प्रभारी महामंत्री नहीं, बनेंगे कार्यालय प्रभारी, कांग्रेस का नया आदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गरियाबंद

कांग्रेस संगठन में बड़ा बदलाव करते हुए प्रदेश स्तर से नया निर्देश जारी किया गया है। अब जिलों में प्रभारी महामंत्री के स्थान पर कार्यालय प्रभारी की नियुक्ति की जाएगी। इस फैसले के बाद जिला इकाइयों में हलचल तेज हो गई है। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गेंदू ने बातचीत में स्पष्ट किया कि संगठन में एआईसीसी और पीसीसी प्रभारी महामंत्री जैसे पद पहले से ही प्रशासनिक और संगठनात्मक जिम्मेदारियां निभाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रभारी महामंत्री का पद आधिकारिक रूप से कभी अस्तित्व में नहीं था, बल्कि व्यवहार में इसे कार्यालय प्रभारी की तरह ही इस्तेमाल किया जाता रहा है। अब उसी व्यवस्था को औपचारिक रूप दिया जा रहा है। प्रभारी महामंत्री गेंदू ने यह भी कहा कि पार्टी को मजबूत करने के उद्देश्य से यह बदलाव किया गया है। पद बदलने को लेकर सामने आ रही विरोध की खबरों को उन्होंने विपक्ष की साजिश बताया और कहा कि उन्हें इस संबंध में कोई औपचारिक शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। अब तक कई जिलों में प्रभारी महामंत्री बनने को लेकर कार्यकर्ताओं में होड़ लगी रहती थी। इच्छुक नेता इस पद के लिए सक्रिय लॉबिंग भी कर रहे थे। चूंकि नियुक्ति का अधिकार जिलाध्यक्ष के पास होता है, इसलिए स्थानीय स्तर पर इसका खास महत्व था। लेकिन अब पद का नाम बदलकर कार्यालय प्रभारी किए जाने से समीकरण बदल सकते हैं।

पार्टी को मजबूत करने कार्यालय प्रभारी की नियुक्ति होगी

अचानक पद नाम बदलने से कुछ कार्यकर्ताओं में असहजता जरूर देखी जा रही है, हालांकि खुलकर विरोध अभी सामने नहीं आया है। वहीं कुछ जिलों में पुराने पद को यथावत रखने की मांग भी उठ रही है। परंपरागत रूप से जिलों में महामंत्रियों में से एक को प्रभारी महामंत्री बनाया जाता था, ताकि अध्यक्ष की अनुपस्थिति में संगठन का कामकाज सुचारु रूप से चलता रहे। अब इसी जिम्मेदारी को कार्यालय प्रभारी के रूप में परिभाषित किया गया है। वहीं इस संबंध में गरियाबंद जिला प्रभारी सकलेन कामदार ने कहा कि अब बहुत जल्द कांग्रेस पार्टी में गतिविधियों को गति देने और पार्टी को मजबूत करने कार्यालय प्रभारी की नियुक्ति होगी। प्रदेश स्तर से जारी इस निर्देश के बाद सभी जिलों में जल्द ही नए पदनाम के साथ नियुक्तियां होने की संभावना है। अब देखना होगा कि इस बदलाव के बाद संगठनात्मक ढांचे में कितना प्रभाव पड़ता है और कार्यकर्ता इसे किस तरह स्वीकार करते हैं।

जनसहयोग से आगे बढ़ रहा नायक समाज का सराहनीय प्रयास

तालाब के बाद अब शिव मंदिर निर्माण का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुरा

ग्राम मोगरा में नायक समाज द्वारा सामुदायिक एकता और धार्मिक आस्था का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया जा रहा है। समाज के लोगों ने पहले आपसी जनसहयोग से गांव में एक तालाब का निर्माण कराया और अब उसी तालाब के किनारे एक भव्य शिव मंदिर के निर्माण का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। इस पहल को लेकर गांव सहित आसपास के क्षेत्र में उत्साह का वातावरण बना हुआ है। इस संबंध में समाज के प्रमुख रामचंद्र नायक ने बताया कि नायक समाज की परंपरा वर्षों से जल संरक्षण और धर्म से जुड़ी रही है। समाज द्वारा विभिन्न स्थानों पर तालाब निर्माण कर जनहित के कार्य किए जाते रहे हैं। इसी परंपरा से प्रेरणा लेते हुए ग्राम मोगरा में समाज के प्रत्येक सदस्य और ग्रामीणों के सहयोग से तालाब का निर्माण कराया गया। बाद में शासन द्वारा भी इस तालाब का विस्तार कराया गया, जिससे इसका स्वरूप और अधिक विशाल एवं उपयोगी बन गया।

उन्होंने बताया कि तालाब निर्माण के बाद समाज के 44 परिवारों ने सामूहिक रूप से निर्णय लिया कि तालाब परिसर में भगवान शिव का मंदिर बनाया जाए, ताकि ग्रामीण और श्रद्धालु तालाब में स्नान करने के बाद पूजा-अर्चना कर सकें। इस उद्देश्य को लेकर समाज के प्रत्येक परिवार से 1000 रुपये सहयोग राशि निर्धारित की गई है। साथ ही जो श्रद्धालु अपनी श्रद्धा अनुसार अधिक सहयोग करना चाहते हैं, वे भी मंदिर निर्माण में योगदान दे रहे हैं।

जनभागीदारी की मिसाल

समाज के लोगों का कहना है कि जिस प्रकार तालाब निर्माण में गांववासियों ने एकजुट होकर सहयोग दिया था, उसी प्रकार शिव मंदिर निर्माण में भी लोग बढ़-चढ़कर भागीदारी निभा रहे हैं। मंदिर निर्माण कार्य तेजी से जारी है और ग्रामीणों का मानना है कि यह मंदिर आने वाले समय में गांव की धार्मिक पहचान बनेगा। रामचंद्र नायक ने सभी ग्रामीणों और आसपास के क्षेत्र के लोगों से अपील करते हुए कहा कि यह केवल मंदिर निर्माण नहीं, बल्कि समाज की एकता, आस्था और जनभागीदारी का प्रतीक है। इसलिए अधिक से अधिक लोग इस पुण्य कार्य में सहयोग करें ताकि शीघ्र ही मंदिर का निर्माण पूर्ण हो सके और यहां नियमित पूजा-अर्चना प्रारंभ की जा सके। ग्राम मोगरा में तालाब के बाद शिव मंदिर निर्माण की यह पहल न केवल धार्मिक आस्था को मजबूत कर रही है, बल्कि समाज में सामूहिक सहयोग और जनभागीदारी की मिसाल भी पेश कर रही है।